ECCE दिवस आयोजन

Gadhbo bachpan

Early Childhood Care and Education

महिला एवं बाल विकास विभाग,
रायपुर, **छत्तीसगढ़**

आपका आँगनवाड़ी केंद्र

ECCE दिवस
मार्गदर्शिका

सहयोग:
'गढ़बो बचपन' प्रोजेक्ट, एडुवीव फाउंडेशन

ECCE दिवस आयोजन

Gadhbo bachpan

Early Childhood Care and Education

महिला एवं बाल विकास विभाग,
रायपुर, **छत्तीसगढ़**

आपका आँगनवाड़ी केंद्र

सहयोग:
‘गढ़बो बचपन’ प्रोजेक्ट, एडुवीव फाउंडेशन

मार्गदर्शिका

उद्देश्य

- ECCE के प्रति पालकों और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना।
- 3 से 6 वर्ष के बच्चों के समग्र विकास में पालकों और समुदाय की भूमिका बढ़ाना।
- बच्चे के बेहतर विकास हेतु घर पर ECCE के अनुरूप वातावरण का निर्माण करना।

क्या है?

ECCE दिवस आंगनवाड़ी केंद्र में ECCE पर जागरूकता लाने हेतु मनाया जाता है। इसका आयोजन प्रत्येक माह के द्वितीय बुधवार को किया जाता है।

प्रतिभागी:

- 3 से 6 वर्ष के बच्चे
- पालक एवं समुदाय के लोग

भूमिकाएँ एवं जिम्मेदारियाँ:

- **परियोजना अधिकारी**: परियोजना स्तर पर सभी केंद्रों में ECCE दिवस कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन, एक्शन प्लान का विकास एवं मॉनिटरिंग करना।
- **पर्यवेक्षक**: सुविधादाताओं का उन्मुखीकरण एवं ECCE दिवस का मॉनिटरिंग करना।
- **आंगनवाड़ी कार्यकर्ता**: कार्यक्रम का नियोजित आयोजन, गतिविधियों का संचालन, अभिभावकों से संवाद, गुणवत्ता सुनिश्चित करना।
- **पालक एवं समुदाय**: सक्रिय भागीदारी, प्रतिक्रिया देना, सीखी गई बातों को घर पर लागू करना।

आयोजन

1 आयोजन की तैयारी:

- पालकों एवं समुदाय को पूर्व सूचना दें।
- प्रत्येक माह के संबंधित विषय पर आधारित आयोजन निर्देशिका पर अपनी समझ बनाएं।
- गतिविधियों से जुड़ी सामग्री (खिलौने, कहानियाँ आदि) की व्यवस्था करें।
- साफ-सुथरा व सकारात्मक वातावरण बनाएं।

2 ECCE दिवस का आयोजन:

- पालकों का स्वागत एवं अभिवादन कर उचित स्थान दें।
- पिछले माह के ECCE दिवस का अनुभव पालकों से साझा करने को कहें।
- इस माह के थीम की जानकारी दें और चर्चा करें।
- थीम आधारित गतिविधियों का क्रियान्वयन करें।
- विधि व चरण स्पष्ट रूप से बताएं, आवश्यकता पड़ने पर सहयोग करें।
- गतिविधि के अंत में चर्चा करें और समझ को स्पष्ट करें।
- सभी को भागीदारी के लिए धन्यवाद दें।

3 साझा करें:

- सुविधादाता पालकों के साथ थीम से सम्बंधित दिशानिर्देश साझा करें।
- ध्यान देने योग्य मुख्य बातें बताएं।

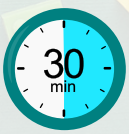

ECCE दिवस की अवधि

4 समापन और आभार:

- आज की गई गतिविधियों को पालकों के साथ दोहराएं।
- सभी बच्चों और पालकों का आभार व्यक्त करें।
- अगले माह के ECCE दिवस में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करें।

सारिणी

1 सामाजिक और भावनात्मक विकास

2 अच्छा और बुरा स्पर्श

3 रचनात्मक विकास

4 घर पर बच्चों के अनुकूल वातावरण

5 सीखने के सिद्धांत

6 शारीरिक विकास

7 खेल आधारित सीखने का वातावरण

8 कहानियाँ सुनाना

9 भाषा शिक्षण की रणनीतियाँ

10 गणित शिक्षण की रणनीतियाँ

11 लैंगिक समानता

12 ECCE वार्षिक मेला और जागरूकता आयोजन

सामाजिक और भावनात्मक विकास

30 min

उद्देश्य:

- पालकों और बच्चों के बीच गहरा भावनात्मक जुड़ाव और आपसी विश्वास बनाना।
- बच्चों में दूसरों की भावनाओं को समझने और सहानुभूति रखने की भावना विकसित करना।
- घर को बच्चों के लिए संवेदनशील, सहयोगी और सुरक्षित वातावरण बनाना।

क्या है ?

सामाजिक और भावनात्मक विकास में बच्चा अपने भावों को समझना, नियंत्रित करना और दूसरों से जुड़ना सीखता है। यह उसके आत्मविश्वास, संबंधों और समग्र विकास की मजबूत नींव रखता है।

3 से 6 साल के बच्चों में 'सामाजिक-भावनात्मक विकास' क्यों जरूरी है?

- बच्चे का आत्मविश्वास और भरोसा बढ़ता है।
- वह दूसरों से जुड़ना और रिश्ते बनाना सीखते हैं।
- इससे उसकी सीखने में रुचि और भागीदारी बेहतर होती है।

1 गतिविधि

सकारात्मक संवाद

विवरण:

- पालकों और बच्चों को एक दूसरे के बारे में अच्छी बातें साझा करने के लिए कहें ।
- सभी की बातें सुनने के बाद, आँगनवाड़ी सुविधादाता साझा करें कि इस तरह की बातचीत रिश्तों और विश्वास को मजबूत कैसे करती है।

सुविधादाता निम्नलिखित बिंदुओं की मदद से पालकों को सकारात्मक बातचीत का महत्व बताएं:

- बच्चों से आदर और प्यार से बातचीत करें।
- जब बच्चे कुछ अच्छा करें, तो उनकी प्रशंसा करें उन्हें शाबाशी दें और उत्साहवर्धन करें।
- यदि बच्चे किसी कार्य को अपेक्षानुसार ना कर पाएँ तो उस कार्य में उनकी मदद करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।
- प्रशंसा से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे प्रोत्साहित महसूस करते हैं।

2 गतिविधि

दोस्ती का वृक्ष

सामग्री: पेपर, पेंसिल रंग

विवरण:

- पालकों और बच्चों को जोड़े में बैठाएँ।
- एक पेपर पर एक वृक्ष का चित्र बनाने को कहें ।
- पालकों और बच्चों को एक दूसरे के साथ जो गतिविधियां या कार्य करने पसंद हैं, उन्हें पेड़ में लिखें या उसके चित्र बनाएँ।
- पालक और बच्चे मिलकर अपने पेड़ को सजाएँ।

बच्चों और पालकों के रिश्ते को मजबूत करना

चर्चा:

- यह गतिविधियाँ करते समय आपको कैसा लगा?
- आपने इन गतिविधियों से क्या सीखा?
- कौन-सी बात आपको सबसे ज़्यादा ज़रूरी लगी जो आप आज घर ले जाकर अपनाना चाहेंगे?

पालकों के लिए दिशा-निर्देश

- बच्चों से उनके दिन, पसंद-नापसंद और भावनाओं पर बातचीत करें।
- कहानियाँ, कविताएँ, गीत सुनाएँ और बचपन के खेल साथ खेलें।
- बच्चों को घर के छोटे-छोटे कार्यों में शामिल करें।

पालकों को ध्यान देने योग्य बातें

- बच्चों से शांत और प्रेमपूर्वक संवाद करें।
- उनके प्रयासों की सराहना करें और प्रोत्साहित करें।
- समय देकर भावनात्मक जुड़ाव और समझ विकसित करें।
- बच्चों की बात ध्यान से सुनें, उन्हें बीच में न टोकें।
- बच्चों को दूसरों की मदद करने और साझा करने की आदत डालें – जैसे भाई-बहन या दोस्तों से खिलौने बाँटना।

ECCE दिवस आयोजन

Gadhbo Bachpan

Early Childhood Care and Education

महिला एवं बाल विकास विभाग,
रायपुर, छत्तीसगढ़

आपका आँगनवाड़ी केंद्र

सहयोग:
'गढ़बो बचपन' प्रोजेक्ट, एडुवीव फाउंडेशन